

स्वतंत्रता दिवस पर निबंध (1000 शब्द)

भूमिका

भारत में हर वर्ष **15 अगस्त** को स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह दिन 1947 में ब्रिटिश शासन से मिली आज़ादी की याद दिलाता है। लगभग 200 वर्षों के लंबे संघर्ष और बलिदान के बाद हमारे देश ने यह स्वतंत्रता पाई। यह केवल एक राष्ट्रीय अवकाश नहीं, बल्कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने और देश के प्रति कर्तव्यों को याद करने का दिन है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

अंग्रेज़ों का शासन भारत में 18वीं शताब्दी के मध्य में ईस्ट इंडिया कंपनी के माध्यम से शुरू हुआ। समय के साथ उनका प्रभाव बढ़ा और 1858 के बाद भारत सीधे ब्रिटिश क्राउन के अधीन आ गया।

1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ़ पहला बड़ा विद्रोह था। यद्यपि यह असफल रहा, लेकिन इसने स्वतंत्रता की नींव रख दी। इसके बाद कई महान नेताओं ने देश को आज़ाद कराने के लिए आंदोलन चलाए —

- **बाल गंगाधर तिलक** – “स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है” का नारा दिया।
- **महात्मा गांधी** – असहयोग आंदोलन, दांडी मार्च और भारत छोड़ो आंदोलन का नेतृत्व किया।
- **सुभाष चंद्र बोस** – आज़ाद हिंद फ़ौज का गठन किया।
- **भगत सिंह, राजगुरु, चंद्रशेखर आज़ाद** – अपने साहस से युवाओं को प्रेरित किया।

1942 का भारत छोड़ो आंदोलन अंग्रेज़ी शासन को हिला देने वाला अंतिम बड़ा आंदोलन था। अंततः **15 अगस्त 1947** को भारत स्वतंत्र हुआ और पंडित जवाहरलाल नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री बने।

15 अगस्त 1947 का भारत

आधी रात को पंडित नेहरू ने अपना ऐतिहासिक भाषण “**ट्रिस्ट विद डेस्टिनी**” दिया और राष्ट्रीय ध्वज लहराया गया। हालांकि स्वतंत्रता के साथ देश का विभाजन भी हुआ, जिसने लाखों लोगों को विस्थापित कर दिया।

स्वतंत्रता दिवस का महत्व

स्वतंत्रता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि—

1. यह स्वतंत्रता अनेक बलिदानों की कीमत पर मिली है।
2. विविधताओं में एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।
3. लोकतंत्र का सम्मान और उसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है।

पूरे देश में उत्सव

दिल्ली के **लाल क़िले** में प्रधानमंत्री तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्र को संबोधित करते हैं। इसके साथ ही—

- स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी कार्यालयों में ध्वजारोहण।
- सांस्कृतिक कार्यक्रम और देशभक्ति गीत।
- पतंगबाज़ी, विशेष रूप से दिल्ली और गुजरात में।
- सड़कों और घरों को तिरंगे रंगों से सजाना।

स्कूलों और कॉलेजों में आयोजन

शैक्षणिक संस्थानों में निबंध प्रतियोगिता, भाषण, चित्रकला और देशभक्ति गीतों के कार्यक्रम होते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम की कहानियाँ सुनाकर प्रेरित करते हैं।

अगस्त के अन्य महत्वपूर्ण दिवस

- 8 अगस्त – भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ।
- 15 अगस्त – स्वतंत्रता दिवस (राष्ट्रीय अवकाश)।
- 19 अगस्त 2025 – रक्षाबंधन (तिथि परिवर्तनीय)।
- 24 अगस्त 2025 – जन्माष्टमी (तिथि परिवर्तनीय)।
- 31 अगस्त 2025 – गणेश चतुर्थी (तिथि परिवर्तनीय)।

आज के समय में स्वतंत्रता दिवस

आज यह पर्व केवल मैदानों और सभागारों में ही नहीं, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर भी मनाया जाता है। लेकिन इसका असली अर्थ तभी है जब हम अपने देश के विकास में योगदान दें — चाहे वह शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण या सामाजिक सेवा के माध्यम से हो।

निष्कर्ष

स्वतंत्रता दिवस केवल आनंद और उत्सव का दिन नहीं, बल्कि यह हमें हमारे अतीत, बलिदानों और जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। हमें न केवल स्वतंत्रता का आनंद लेना चाहिए, बल्कि उसकी रक्षा और सम्मान के लिए भी तत्पर रहना चाहिए।

स्वतंत्रता दिवस पर निबंध (500 शब्द)

भूमिका

हर वर्ष 15 अगस्त को भारत में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। यह दिन 1947 में ब्रिटिश शासन से मिली आज़ादी की याद दिलाता है और देशवासियों में देशभक्ति की भावना जाग्रत करता है।

इतिहास

लगभग 200 वर्षों तक भारत अंग्रेज़ों के अधीन रहा। कई आंदोलन और संघर्ष हुए — 1857 का विद्रोह, असहयोग आंदोलन, दांडी मार्च, और 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन। इन सबके परिणामस्वरूप 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ।

महत्व

स्वतंत्रता दिवस हमें यह सिखाता है कि आज़ादी सबसे बड़ा धन है। यह हमें बलिदानों की याद दिलाता है और राष्ट्र की एकता को मज़बूत करता है।

उत्सव

मुख्य समारोह लाल क़िले में होता है जहाँ प्रधानमंत्री तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्र को संबोधित करते हैं। देशभर में ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, और पतंगबाज़ी आयोजित की जाती है।

निष्कर्ष

स्वतंत्रता दिवस हमें गर्व और प्रेरणा देता है कि हम देश के विकास में अपना योगदान दें और इस स्वतंत्रता को हमेशा सुरक्षित रखें।